नफस के हीले बहाने

शैख मुहम्मद इशाक मुलतानी.

नोटः आप से दरखास्त है की इसे भाषा या ग्राम्मर का अदब ना समझे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

आज हमारी नफस कहती हे अल्लाह वाले कहा हे? वो मौलवी अलग थे, आज कल के आलीम अलग हे, हमने सब मौल्वियो को देख लिया, सब दुकानदार हे, ये नतीजा निकालना सिर्फ नफस का धोका हे.

जब यही बात हे तो फिर बतावो कि कौन सा डोक्टर तुम्हारा सच्चा हमदर्द हे, कौन सा वकील हमदर्द हे, सब पैसा खीचने वाले हे, कौन तुम्हारा असली खेरख्वाह हे, हजारो लाखो मे कोई एक ही ऐसा होगा जो खेरख्वाही करेगा.

जब खुदगरजि इतनी हे कि तुम्हारी नफस ये भी कहता हे कि सारे डोक्टर मतलब के हे तो अब इलाज ही छोड दो, जो जि-चाहे खावो पीयो, जब सारे वकील मतलबी हे तो इन वकीलो को छोड दो, खुद अपना मुकाद्दमा लडलो, दूध असली नही मिलता तो दूध छोड दो, पानी पीना शुरू कर दो,

आटा असली नही मिलता तो मिट्टी की रोती पकावो, लेकिन नही, दुनीया के मामले मे एक के दो खर्च करेगे और जहा चीझ अच्छी मिले वहा से लायेगे.

जो डोक्टर अच्छा हो उस्के पास जायेगे, वहा शैतान ये नही बताता कि सारे डोक्टर छोड दो, दीन के लिये ये बताता हे की सारे मोलवी छोड दो, इसलिये सारे मोलवी छुडवा कर शैतान खुद उसका मोलवी बन्ना चाहता हे.

अल्लाह वाले आज भी इस दुनीया मे हे, और अल्लाह का वादा हे कि एसे नेक लोग जरूर मिलेगे, वकील का वादा नही हे, अल्लाह का वादा सच्चो की मुहब्बत का बहुत सी जगह हे, और ये वादा कियामत तक के लिये हे.

सच्चे लोग अगर मिलने वाले ना होते तो अल्लाह का ये वादा ना होता, एक धोका शैतान का ये हे कि जब हम किसी आलीम की तलाश मे नीकलते हे तो हमारा मेयार हजरत उमर (रदी) और जुनेद बगदादी (रह) का होता हे, और जो इसके खिलाफ हो उसको हम मुत्तकी और परहेजगार नही समझते, ये नही सोचते कि तुम खुद कहा पडे हे, उनके जमाने के लोग भी वेसे ही थे, जेसे बुजरूग और जेसी रूह वैसे

फरिश्ते, आज तुम जिस तरह ऐबो से भरपुर हो तो इनही मे से कुछ बेहतर मिल सकते हे.

अबु बक्कर (रदी), उमर (रदी), जुनेद (रह), शिबली (रह), और गजाली (रह) नही आयेगे, आज अगर कोई ये कहे बीमार हू लेकिन इलाज सिर्फ हकीम अजमल खान से ही करावुन्गा, तो फिर मर जायेगा, लेकिन शिफा ना होगी, हा ये देख लो कि उनका शागिर्द हो, या उनके शागिर्द का शागिर्द हो, या उनके उसूलो पर अमल करने वाला हो, बस उसको पकड लो.

हवाला: एक हज़ार अनमोल मोती उर्दु से मज़मून का खुलासा लिप्यान्तरण किया गया हे.